बैठ सामने तेरे बाबा तुझको रोज मनाता हूँ भजन लिरिक्स

बैठ सामने तेरे बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ,
गौर करोगे कभी तो बाबा,
सोच के अर्जी लगाता हूँ,
बैठ सामने तेरें बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ।bd।

तर्ज – कस्मे वादे प्यार वफ़ा।

माना चाहने वाले बहुत है,
तभी तो तुम इतराते हो,
मुझे भूलकर खुश हो जब तुम,
क्यों सपनों में आते हो,
मुझ सा पागल नहीं मिलेगा,
तुझको ये बतलाता हूँ,
बैठ सामने तेरें बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ।bd।

दीवानों की इस महफ़िल में,
तुम मस्ती में खोए हो,
सुना था प्रेमी के आंसू पे,
तुम भी बाबा रोए हो,
क्या कमी थी मेरे प्रेम में,
समझ नहीं मैं पाता हूँ,
बैठ सामने तेरें बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ।bd।

एक ही अर्जी 'राखी' करती,
तेरी सेवा मिल जाए,
मुरझाई सी इस बगियाँ में,
फूल खुशी के खिल जाए,
कैसे चलेगा माधव ऐसे,
कहो ना साथ निभाता हूँ,
Bhajan Diary Lyrics,
बैठ सामने तेरें बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बैठ सामने तेरे बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ,
गौर करोगे कभी तो बाबा,
सोच के अर्जी लगाता हूँ,
बैठ सामने तेरें बाबा,
तुझको रोज मनाता हूँ।bd।

Singer – Prashant Suryavanshi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com